उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) : टाइम खत्म हो गया।

श्री शिवानन्द तिवारी : बस, मैं खत्म कर रहा हूं। प्रणब मुखर्जी जी ने जो एक आश्वासन दिया है, उससे हमको जरूर खुशी होती है। उन्होंने कहा है कि बैंकों का विनिवेश नहीं होगा। बैंक हमारे हाथ में मज़बूत साधन हैं और उन्हीं के जरिए जिस तबके को भी हम कुछ देना चाहते हैं, उसको हम दे सकते हैं। लेकिन इसमें संतोष करने लायक बात कुछ नहीं है। मैं यह कहूंगा कि जिस तरह से भ्रष्टाचार इस देश में बढ़ रहा है, जिस तरह से समाज में मनुष्य के जीवन की गुणवत्ता खत्म हो रही है, आज आपने आदमी को बिल्कुल एक कंज्यूमर बना करके रख दिया है। उसके जीवन का एक ही लक्ष्य रह गया है कि कैसे हम धन हासिल करें और उस धन के जरिए जो बाजार में उत्पाद बिक रहे हैं, जिनता विज्ञापन टेलीविज़न और सिनेमा के ज़रिए हो रहा है, उसको हम कैसे हासिल करें। आज मनुष्य के जीवन का एक मात्र लक्ष्य यही रह गया है, बाकी सारी चीजें खत्म हो गई हैं। कांग्रेस पार्टी गांधी जी का बहुत नाम लेती है, गांधी जी ने कहा था कि जिस आर्थिक नीति को आप चला रहे हैं, वह आर्थिक नीति अनैतिक है ...(**समय की घंटी**)... वह भ्रष्टाचार को जन्म दे रही है, गैर बराबरी को बढ़ा रही है, भुखमरी को बढ़ा रही है ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) : तिवारी जी, तिवारी जी, प्लीज़, हो गया।

श्री शिवानन्द तिवारी : अंग्रेजों के जमाने में अकाल पड़ता था, लेकिन अंग्रेजों के जमने में हमने कभी यह नहीं सुना कि तब किसान आत्महत्या करता था। आजादी के बाद देश इतना आगे बढ़ा है कि आज इस देश में लाखों किसान आत्महत्या कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) : समाप्त करो, तिवारी जी।

श्री शिवानन्द तिवारी : और आप कह रहे हैं कि आप देश को विकास के रास्ते पर ले जा रहे हैं। नहीं, देश को आप विकास के रास्ते पर नहीं, विनाश के रास्ते पर ले जा रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) : तिवारी जी, आपका समय समाप्त हो गया।

श्री शिवानन्द तिवारी : इस बतट से भी मैं किसी तरह की उम्मीद नहीं करता हूं कि देश के गरीब आदमी की बेहतरी होगी अथवा बेरोज़गारों को लाभ मिलेगा। इसकी कहीं से कोई उम्मीद नहीं है ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) : तिवारी जी, बस आपका समय हो गया।

श्री शिवानन्द तिवारी : वित्त मंत्री जी को इस पर फिर से सोचना चाहिए और गरीबों के उत्थान के लिए हाउस में वह नए ढंग से बजट लेकर आएं। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन) : तिवारी जी, हो गया।

श्री शिवानन्द तिवारी : इसी अनुरोध के साथ, आपको धन्यवाद देते हुए मैं अपनी बात खत्म करता हूं।

SHRI SYED AZEEZ PASHA (Andhra Pradesh): Mr. Vice-Chairman, Sir, Shri Pranab Mukherjee, while presenting the Budget, talked about inclusive growth. He explained in detail how the spending on social sector has increased and he took a lot of pains in explaining that the focal point of the